पवन कुमार बंसल
PAWAN KUMAR BANSAL

सत्यमेव जयते

संसदीय कार्य एवं जल संसाधन मंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली-110001
MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS
&
WATER RESOURCES
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI-110001

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की जलविज्ञान के क्षेत्र में बढ़ती समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए इससे जुडे विभिन्न पहलुओं पर जनसाधारण को हिंदी भाषा के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से "जल चेतना" नामक एक हिंदी तकनीकी पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ कर रहा है। इस पत्रिका में तकनीकी लेखों को प्रमुखता देने के साथ–साथ सामान्य एवं जनोपयोगी लेख, स्तम्भ लेख, शिक्षा एवं रोजगार संबंधी लेख, क्विज आदि विभिन्न विधाओं पर लिखी गई सामाग्री को प्रकाशित किया जाएगा। पत्रिका का प्रवेशांक बहुत जल्द प्रकाशित किया जाना निर्धारित है। तकनीकी कार्यों में राजभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार व प्रयोग को समुचित प्रोत्साहन देने की दिशा में भी संस्थान की यह पहल प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय सिद्व होगी।

इस तरह के सराहनीय कार्यों से जलविज्ञान के क्षेत्र में नई–नई तकनीकों, जल की उपलब्धता एवं गुणवत्ता से संबंधित उपयोगी जानकारी को हिंदी भाषा के माध्यम से ग्रामीण एवं अन्य जनता तक पहुंचाया जा सकेगा तथा साथ ही इससे पदाधिकारियों के मन में हिंदी लेखन की रूचि पैदा होगी और अन्ततोगत्वा इससे राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं विकास में आशातीत वृद्वि संभव हो सकेगी।

पत्रिका की सफलता की मंगल कामना करते हुए मैं सम्पादन मंडल को बधाई देता हूँ।

प. बंसल

(पवन कुमार बंसल)

15, Parliament House Phones : 011-23017780, 23017798, Fax : 011-23792341
210, Shram Shakti Bhawan Phones : 011-23711780, 23714200, Fax : 011-23710804

वींसेन्ट एच. पाला
VINCENT H. PALA

सत्यमेव जयते

जल संसाधन एवं अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली-110001
MINISTER OF STATE FOR
WATER RESOURCES AND MINORITY AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI-110001

दिनांक : 18 मई, 2011

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की जलविज्ञान तथा अन्य तकनीकी विषयों से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को जनसाधारण तक पहुंचाने के उद्देश्य से "जल चेतना" नामक एक तकनीकी पत्रिका के प्रकाशन की ओर अग्रसर है। पत्रिका का प्रथमांक बहुत ही जल्द निकलने वाला है। इस पत्रिका में जल की गुणवत्ता एवं उपयोग से संबंधित तकनीकी लेखों के अलावा सामान्य एवं जनोपयोगी लेख आदि विषयों की रोचक एवं उपयोगी जानकारी प्रकाशित की जाएगी। तकनीकी विषयों को हिन्दी के माध्यम से जन–जन तक पहुंचाने का जो बीड़ा राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की ने उठाया है उससे देश की आम जनता को भी पर्याप्त लाभ मिलेगा और साथ ही सरकारी कार्यों में राजभाषा के प्रयोग में आशातीत वृद्धि होगी।

पत्रिका के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए मैं सम्पादन मंडल को बधाई देता हूँ।

(विंसेंट एच. पाला)

श्री राजदेव सिंह,
निदेशक,
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
जलविज्ञान भवन,
रूड़की – 247667

Office : 216, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001 Tel. : 011-23325996, 23711586, Fax : 011-23354496
: Paryavaran Bhawan, 11th Floor, C.G.O. Complex, Lodhi Road, New Delhi-110003
Resi. : 21, Balwant Rai Mehta Lane, New Delhi-110001 Tel.: 011-23385024, 23389236, Fax : 011-23070841
E-mail : vincentdimo@yahoo.com / Website : www.mowr.gov.in

हरीश रावत

ہریش راوت

HARISH RAWAT

राज्य मंत्री
कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
भारत सरकार

وزیرِمملکت
ایگریکلچروفوڈپروسیسنگ انڈسٹریز
بھارت سرکار

MINISTER OF STATE
AGRICULTURE & FOOD PROCESSING INDUSTRIES
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि रूड़की स्थित राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, जलविज्ञान एवं जल संसाधन के क्षेत्र में पिछले 32 वर्षों से अनेकों शोध एवं विकास कार्य निष्पादित करता आ रहा है । जल एवं जलविज्ञान से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को आम जनता तक पहुंचाने के ध्येय से यह संस्थान इस वर्ष से **"जल चेतना"** नामक एक हिंदी तकनीकी पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ कर रहा है । राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त संस्थान के लिए तकनीकी जानकारियों को हिंदी के माध्यम से जन–जन तक प्रचारित एवं प्रसारित करना एक सराहनीय एवं प्रशंसनीय कार्य है ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका पाठकों के लिए महत्वपूर्ण एवं उपयोगी साबित होगी । पत्रिका में छपी जल एवं जलविज्ञान संबंधी जानकारियां कृषि एवं कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए भी कारगर सिद्ध होगी । मैं पत्रिका के सफल एवं निरन्तर प्रकाशन की मंगल कामना करता हूं । संपादक मंडल इसके लिए बधाई का पात्र है ।

शुभकामनाओं सहित,

(हरीश रावत)

ROOM NO. 321, KRISHI BHAWAN, NEW DELHI- 110 001
TEL : (011) 23381341, 23071149 TELE/FAX : (011) 2338 6631
Email : hrawat.haridwar@gmail.com

डा. रमेश पोखरियाल 'निशंक'

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय,
देहरादून–248001
फोन : 0135-2650433 (का.)
0135-2655177
फैक्स : 0135-2712827
0135-2755899 (नि.)
0135-2750114

संदेश

यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि **'राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की'** जलविज्ञान संबंधी समस्याओं एवं उनके समाधान पर केन्द्रित हिन्दी भाषा में **'जल चेतना'** नामक तकनीकी पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है।

तकनीकी सामग्री को हिन्दी में प्रकाशित करना अपने आप में एक प्रशंसनीय कार्य है। संस्थान की इस पहल से तकनीकी लेखन को प्रोत्साहन तथा राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में वृद्धि संभव होगी। इस पत्रिका के प्रकाशन से राज्य के ग्रामीण पाठकगणों को भी नवीनतम तकनीकी जानकारियों का लाभ मिलेगा।

'राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की' को इस सराहनीय कार्य के लिए हार्दिक बधाई तथा पत्रिका **'जल चेतना'** के कुशल संपादन के लिए मंगल कामनाएं।

(रमेश पोखरियाल 'निशंक')

मातबर सिंह कण्डारी

मंत्री

सिंचाई, लघु सिंचाई,
समाज कल्याण, खादी ग्रामोद्योग
एवं विकलांग कल्याण

उत्तराखण्ड सरकार

विधान भवन

कक्ष सं. : 6

देहरादून

दूरभाष : (0135) 2666377 (का.)
फैक्स : (0135) 2666380 (फै.)
आवास : (0135) 2656286 (आ.)
मोबा. : 9411114880

" सन्देश "

यह हर्ष का विषय है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की इस वर्ष से "**जल चेतना**" नामक एक तकनीकी पत्रिका का शीघ्र ही प्रकाशन प्रारम्भ करने जा रहा है। जैसा कि अवगत कराया गया है कि संस्थान अपनी वार्षिक हिन्दी पत्रिका "**प्रवाहिनी**" की निरन्तर सफलता को देखते हुये यह अनूठी पहल शुरु की है। तकनीकी विषय से जुड़ी जनकारियों को इस प्रकार से हिन्दी भाषा में जन–जन तक पहुँचाने का यह कार्य निर्विवाद रुप से प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि तकनीकी जानकारियों के हिन्दी में उपलब्ध होने से यह आम जनमानस के लिये भी लाभदायक एवं रोचक होगी तथा इससे पाठक भी राजभाषा में तकनीकी लेखन की ओर आकृष्ट एवं प्रेरित होंगे।

मैं, राष्ट्रीय जनविज्ञान संस्थान, रुड़की की इस अद्वितीय पहल के सराहना करते हुये प्रकाशित होने वाली पत्रिका की सफल प्रकाशन की कामना करना करता हूँ।

हार्दिक शुभकामनायें सहित।

आपका

(मातबर सिंह कण्डारी)

श्री राजदेव सिंह,
निदेशक,
राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान,
रुड़की (हरिद्वार)।

ग्रामोद्योग लगायें
बेरोजगारी मिटायें

सिंचाई बढ़ायें, खुशहाली लायें

एक ही लक्ष्य एक ही नारा
निर्बल, निर्धन को मिले सहारा

प्रकाश पन्त
मंत्री,
पेयजल, श्रम, विधायी, संसदीय कार्य,
नियोजन, पुनर्गठन, निर्वाचन,
बाह्य सहायतित परियोजनाएँ
उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड शासन

विधान भवन,
देहरादून-248001
दूरभाष : 2665088 (कार्यालय)
2665988 (फैक्स)
2748200 (आवास)

♦ संदेश ♦

यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रूड़की निकट भविष्य में ''जल चेतना'' नामक एक तकनीकी पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। इस पत्रिका में तकनीकी लेखों को प्रमुखता से प्रकाशित करने के साथ-साथ सामान्य तथा जनोपयोगी लेखों को भी स्थान दिया जाएगा। वैज्ञानिक तथा तकनीकी कार्य संस्कृति वाले संस्थान द्वारा इस तरह की पत्रिका का हिन्दी में प्रकाशन करना एक प्रशंसनीय कार्य है। संस्थान की इस अद्भुत पहल से जन साधारण को भी तकनीकी क्षेत्र की नवीनतम तथा उपयोगी जानकारियां हिन्दी भाषा के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी। संस्थान का यह प्रयास तकनीकी क्षेत्र में कार्यरत अन्य पदाधिकारियों को भी हिन्दी में तकनीकी लेख प्रस्तुत करने की प्रेरणा देगा तथा इससे राजभाषा हिन्दी का प्रचार-प्रसार व सम्मान भी बढ़ेगा।

प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका ''जल चेतना'' की सफलता/ लोकप्रियता हेतु सम्पादक मण्डल को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(प्रकाश पन्त)

निवास : 17-ए, न्यू कैण्ट रोड, देहरादून - 248001

मदन कौशिक
मंत्री
नगर विकास, पर्यटन, गन्ना विकास,
चीनी उद्योग एवं आबकारी

उत्तराखण्ड सरकार

विधान सभा भवन
देहरादून
फोन : (0135)2666304 (का.)
फोन : (0135)2530827 (आ.)
फैक्स : (0135)2666308 (का.)

संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की **"जल चेतना"** नामक एक तकनीकी हिन्दी पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। पत्रिका का प्रवेशांक शीघ्र ही प्रकाशित किया जाने वाला है। इस पत्रिका में तकनीकी लेखों के साथ–साथ सामान्य तथा जनोपयोगी लेखों को भी शामिल किया जाएगा।

तकनीकी विषयवस्तु को हिन्दी भाषा के माध्यम से जन–जन तक पहुंचाने का यह प्रयास सराहनीय है। मुझे आशा है कि यह पत्रिका हर वर्ग के पाठक, चाहे वह शहरी क्षेत्र का हो अथवा ग्रामीण क्षेत्र का सभी के लिए उपयोगी साबित होगी।

मैं पत्रिका के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ। सम्पादक मंडल को बधाई।

(मदन कौशिक)

ध्रुव विजय सिंह
DHRUV VIJAI SINGH

सत्यमेव जयते

सचिव
भारत सरकार
जल संसाधन मंत्रालय
श्रम शक्ति भवन
रफी मार्ग, नई दिल्ली-110 001

SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF WATER RESOURCES
SHRAM SHAKTI BHAWAN
RAFI MARG, NEW DELHI-110 001

दिनांक 25 मई, 2011

संदेश

बड़े हर्ष का विषय है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की जलविज्ञान के महत्व से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को जन–साधारण तक पहुंचाने के लिहाज से ''जल चेतना'' नामक एक ऐसी पत्रिका निकालने जा रहा है जिसमें जल से संबंधित तकनीकी लेखों को प्रमुखता देते हुए सामान्य जनोपयोगी सामग्री, क्विज, कविता आदि विभिन्न विषयों पर आधारित लेखों को समाहित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह संस्थान विगत 17–18 वर्षो से अपनी गृह पत्रिका ''प्रवाहिनी'' का प्रकाशन करता आ रहा है।

संस्थान के इस प्रयास का अभिप्राय यह है कि इस पत्रिका के माध्यम से दूर–दराज के गॉवों में तकनीकी क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों को हिन्दी भाषा के माध्यम से जल एवं जलविज्ञान से संबंधित तकनीकी जानकारियॉ उपलब्ध हो सकें। राजभाषा हिन्दी के विकास एवं समुचित कार्यान्वयन के दृष्टिकोण से भी संस्थान का यह प्रयास सराहनीय है।

आशा है ''जल चेतना'' के प्रवेशांक को सभी पाठकगण रूचिकर और उपयोगी पाएंगे। प्रवेशांक की सफलता की कामना करते हुए मैं सम्पादन मंडल को बधाई देता हूँ।

(ध्रुव विजय सिंह)

स्वच्छ सुरक्षित जल - सुन्दर खुशहाल कल
CONSERVE WATER - SAVE LIFE
Tel : 23715919, Fax : 23731553, E-mail : dvs@nic.in

प्रो. समीर के. ब्रह्मचारी
महानिदेशक, वै.औ.अ.प.
एवं सचिव, भारत सरकार
वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग

Prof. Samir K. Brahmachari
Director General, CSIR
& Secretary, Government of India
Department of Scientific & Industrial Research

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्
अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001

COUNCIL OF SCIENTIFIC & INDUSTRIAL RESEARCH
Anusandhan Bhawan, 2, Rafi Marg, New Delhi-110001

संदेश

यह जानकार अत्यंत प्रसन्नता हुई कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की इस वर्ष से "जल चेतना" नामक एक तकनीकी पत्रिका का प्रकाशन शुरु कर रहा है। इस पत्रिका को हिंदी में प्रकाशित करने का मुख्य उद्देश्य यह है कि जल संबंधी वैज्ञानिक प्रकृति की विभिन्न गतिविधियों की नूतन एवं अद्यतन जानकारी समाज के हर वर्ग के पाठक तक हिंदी भाषा के माध्यम से पहुंचाई जाए। संस्थान का यह कार्य वास्तव में सराहनीय एवं अनुकरणीय है। जल संबंधी विभिन्न विषयों के समावेश से यह पत्रिका प्रबुद्ध पाठकों को रोचक तथा उपयोगी लगेगी। इस पत्रिका के माध्यम से वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में हिंदी के प्रयोग को भी अपेक्षित मान-सम्मान मिलेगा।

संस्थान का यह अद्वितीय प्रयास अन्य तकनीकी व वैज्ञानिक संगठनों के लिए भी एक प्रेरणा का स्रोत बनेगा। मेरी यही कामना है कि यह पत्रिका खूब फले-फूले तथा संस्थान के उद्देश्य को पूरा करने में सहायक सिद्ध हो। संपादक मंडल को मेरी ओर से बधाई।

(समीर के. ब्रह्मचारी)

Telephone Office : 91-11-23710472, 23717053; Fax: 91-11-23710618; Residence : 91-11-26842276
E-mail: dgcsir@csir.res.in & dg@csir.res.in

ए. के. बजाज
अध्यक्ष
A. K. Bajaj
CHAIRMAN, CWC
& ex-officio Secretary
to the Govt. of India
Ministry of water Resources

केन्द्रीय जल आयोग
CENTRAL WATER COMMISSION
315 (द) सेवा भवन, आर. के. पुरम
नई दिल्ली-110 606
315 (S), Sewa Bhawan, R. K. Puram
New Delhi - 110 606

अर्द्ध शा. पत्र सं.
D. O. No. अध्यक्ष/के.ज.आ./2011
दिनांक: 19 मई, 2011

संदेश

प्रसन्नता का विषय है कि राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रूड़की तकनीकी विषयों से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस वर्ष से "जल चेतना" नामक एक ऐसी पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ कर रहा है जिसमें जल, जलविज्ञान तथा जल संसाधन विषयक विभिन्न विधाओं के साथ–साथ वैज्ञानिक एवं अन्य तकनीकी विषय–वस्तुओं पर लेख भी सम्मिलित किये जाएंगे । पत्रिका में सामान्य तथा जनोपयोगी लेखों को भी स्थान दिया जाएगा । संस्थान द्वारा हिन्दी में इस तरह की पत्रिका का प्रकाशन करना एक प्रशंसनीय कार्य है । संस्थान के इस सराहनीय प्रयास से जन–साधारण को तकनीकी क्षेत्र में हो रहे नित–नए कियाकलापों की अद्यतन जानकारियां जन–जन की भाषा हिन्दी के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगी ।

संस्थान की इस पहल से तकनीकी क्षेत्र में कार्यरत अन्य पदाधिकारी भी हिन्दी में तकनीकी लेख प्रस्तुत करने हेतु प्रेरित होंगे और ऐसे प्रकाशन से राजभाषा हिन्दी का प्रचार–प्रसार व सम्मान भी बढ़ेगा ।

पत्रिका की अपार सफलता के लिए मेरी ओर से शुभ–कामनाएं एवं सम्पादन मंडल को हार्दिक बधाई ।

19/5/2011

(ए.के. बजाज)

TEL. (O): 91-11-2610 8855, 2619 5415 • FAX (O): 91-11-2610 8614 • E-mail: cmanoff@nic.in

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की

रुड़की–247 667, उत्तराखण्ड, भारत

INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY ROORKEE

ROORKEE-247 667, UTTARAKHAND, INDIA

प्रो० एस०सी० सक्सैना
निदेशक
Prof. S. C. SAXENA
Director

TEL : +911332-272742 285500 (O), 272342, 285400 (R)
FAX : +911332-273560 285815 (O), 285300 (R)
e-mail : director@iitr.ernet.in, saxenasuresh@yahoo.co.in

दिनांक: 03 जून, 2011

सन्देश

यह जानकर बेहद खुशी हुई कि राष्ट्रीय जलविज्ञान, रुड़की जून, 2011 से हिन्दी में एक तकनीकी पत्रिका का प्रकाशन शुरू कर रहा है। चुंकि पत्रिका जल एवं जल संसाधन के क्षेत्र में कार्यरत संस्थान द्वारा प्रकाशित की जा रही है अतः इसको दिया गया नाम "जल चेतना" संस्थान की कार्य–संस्कृति के सर्वथा अनुकूल है तथा इसके महत्व को उजागर कर रहा है। संस्थान के लिए यह गौरव तथा सम्मान की बात है कि वह हिन्दी में इस तरह की पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। उसमें कोई सन्देह नहीं कि जानकारियों की उपलब्धता हिन्दी भाषा में होने से यह पत्रिका जन साधारण के लिए काफी उपयोगी होगी तथा हर वर्ग के पाठक को इसमें दी गई जानकारियों का लाभ मिलेगा।

तकनीकी विषयों वस्तुओं पर आधारित ऐसे प्रकाशनों से तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा मिलेगा और इसका लाभ आम जनता को भी मिलेगा। मैं राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूडकी की इस प्रेरणात्मक पहल की सहृदय सराहना करता हूँ तथा पत्रिका की सफलता हेतु शुभकामना देता हूँ । सम्पादक मंडल बधाई का पात्र है।

स० च० सक्सेना

(एस.सी. सक्सेना)
निदेशक

जी.मोहन कुमार
अपर सचिव

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
जल संसाधन मंत्रालय
MINISTRY OF WATER RESOURCES
श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग
SHRAM SHAKTI BHAWAN, RAFI MARG,

नई दिल्ली दिनाँक 30 मई, 2011
NEW DELHI

संदेश

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की जलविज्ञान जैसे अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय के विभिन्न पहलुओं पर जन-साधारण को हिन्दी भाषा के माध्यम से जानकारी देने हेतु इस वर्ष से हिन्दी में "जल चेतना" नामक तकनीकी पत्रिका का प्रकाशन शुरू कर रहा है । इस पत्रिका में तकनीकी लेखों के साथ-साथ सामान्य एवं जनोपयोगी लेख, विशेषज्ञ लेख, स्तम्भ लेख आदि विषयक लेखों को स्थान दिया जाएगा । उल्लेखनीय है कि यह संस्थान विगत 17-18 वर्षों से हिन्दी सप्ताह के दौरान "प्रवाहिनी" नामक एक वार्षिक हिन्दी पत्रिका का प्रकाशन पहले से ही करता आ रहा है, और अब तकनीकी विधाओं पर भी इस तरह की पत्रिका का प्रकाशन करना एक सराहनीय प्रयास है । संस्थान के इस प्रयास से तकनीकी लेखन को बढ़ावा मिलेगा तथा राजभाषा हिन्दी को अपेक्षित मान सम्मान । जन-साधारण तक तकनीकी जानकारी पहुंचाने में यह पत्रिका एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पत्रिका की श्रीवृद्धि के लिए मेरी शुभकामनाएं। सम्पादन कार्य में संलग्न पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं ।

जी. मोहन कुमार

(जी. मोहन कुमार)

सुधीर गर्ग
संयुक्त सचिव (प्रशासन)

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
जल संसाधन मंत्रालय
MINISTRY OF WATER RESOURCES
श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग
SHRAM SHAKTI BHAWAN, RAFI MARG,
नई दिल्ली
NEW DELHI

दिनाँक 30 मई, 2011

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त खुशी हो रही है कि राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रूडकी इस वर्ष से 'जल चेतना' नामक एक तकनीकी हिन्दी पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है । इस पत्रिका में प्रकाशित हिन्दी लेखों द्वारा आम-जनता तक जल विज्ञान एवं अन्य तकनीकी विषयों की महत्वपूर्ण जानकारियाँ पहुँचाई जा सकेंगी । पिछले 17 - 18 वर्षों से 'प्रवाहिनी' नामक गृह पत्रिका का निरन्तर प्रकाशन और इसके साथ-साथ अब 'जल चेतना' का प्रकाशन करना इस संस्थान के राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं प्रयोग के प्रति गहन लगाव को प्रदर्शित करता है।

मैं पत्रिका की सफलता की कामना करता हूँ तथा सम्पादन मंडल को हार्दिक बधाई देता हूँ ।

(सुधीर गर्ग)

उत्तराखण्ड शासन

डॉ० राजेन्द्र डोभाल
महानिदेशक

Dr Rajendra Dobhal
Director General

दूरभाष/Phones :
कार्यालय/Office : +91-135-2762759/2762766
निवास/Resi. : +91-135-2771944
फैक्स/Fax : +91-135-2761063, 2763433
ईमेल/Email : dg@ucost.in

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तराखण्ड
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड शासन
Council of Science & Technology, Uttarakhand
Department of Science & Technology,
(Government of Uttarakhand)
6, Vasant Vihar, Phase-I,
Dehradun-248 006, Uttarakhand, INDIA

संदेश

प्रशंसा का विषय है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की जन साधारण को जल, जलविज्ञान तथा जल संसाधन के साथ–साथ विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में हो रही नित नई विकासात्मक गतिविधियों के निष्कर्षों की जानकारी

हिन्दी भाषा के माध्यम से देने के उद्देश्य से वर्ष–2011 से **"जल चेतना"** नामक एक तकनीकी पत्रिका के प्रथम अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका में तकनीकी एवं वैज्ञानिक विधाओं पर आधारित लेखों को प्रमुखता दी जाएगी तथा इसे और भी रोचक तथा दिलचस्प बनाने के लिए इसमें सामान्य व जनोपयोगी लेख, क्विज, लघु लेख तथा कविताओं आदि को भी समाहित किया जाएगा। हिन्दी में इस तरह की तकनीकी पत्रिका का प्रकाशन करना किसी भी तकनीकी एवं वैज्ञानिक कार्य–संस्कृति वाले संस्थान के लिए एक विशिष्ट एवं सराहनीय प्रयास है। इससे समाज के हर वर्ग को तकनीकी क्षेत्र की जानकारी मिलने से हिन्दी राजभाषा का भी सम्मान होगा।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ और सम्पादक मंडल को हार्दिक बधाई देता हूँ।

(डा0 राजेन्द्र डोभाल)
महानिदेशक

राजदेव सिंह
R.D. Singh
Tel : +91 - 1332 - 272106 (O), 275923 (R)
Fax : +91 - 1332 - 272123, 273976
E-mail : rdsingh@nih.ernet.in
rdsingh3@gmail.com

निदेशक
Director

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
National Institute of Hydrology
(जल संसाधन मंत्रालय के अधीन भारत सरकार की समिति)
(Government of India Society under Ministry of Water Resources)
जलविज्ञान भवन
Jalvigyan Bhawan
रुड़की – 247 667, भारत
Roorkee - 247 667, INDIA

संदेश

मुझे यह कहते हुए अपार हर्ष एवं गौरव की अनुभूति हो रही है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की ने जहां एक ओर जलविज्ञान एवं जल संसाधन के क्षेत्र में नये–नये कीर्तिमान स्थापित कर देश–विदेश में ख्याति प्राप्त की है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक व राष्ट्रीय महत्व के अन्य क्षेत्रों में योगदान देकर राजभाषा हिन्दी के प्रयोग एवं प्रचार–प्रसार के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है । मुझे इस बात की भी खुशी है कि संस्थान इस वर्ष से वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रकृति की नूतन जानकारियों को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से हिन्दी में "जल चेतना" नामक एक तकनीकी पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। पत्रिका में नवीनतम वैज्ञानिक एवं तकनीकी कार्यकलापों से संबंधित लेखों को प्राथमिकता दी गई है जबकि इसे सामान्य पाठकों के लिए भी सुरूचिपूर्ण एवं उपयोगी बनाने के उद्देश्य से इसमें सामान्य एवं जनोपयोगी लेखों को भी समाहित किया गया है ।

इस पत्रिका के प्रकाशन से जन–साधारण को तकनीकी विषयों पर विविध जानकारियां तो प्राप्त होंगी ही, अपितु इससे राजभाषा हिन्दी को भी समुचित प्रोत्साहन तथा सम्मान मिलेगा । संस्थान पिछले 17–18 वर्षों से "प्रवाहिनी" नामक एक वार्षिक हिन्दी पत्रिका का निरन्तर प्रकाशन कर रहा है जो उसके हिन्दी के प्रयोग के प्रति सुरूचि एवं समर्पण भाव को प्रदर्शित करता है। इस पत्रिका के प्रकाशन में हमें राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान (सी.एस.आई.आर), नई दिल्ली के श्री कौशल किशोर (प्रोडेक्शन आफिसर), श्री प्रदीप शर्मा (वैज्ञानिक – एफ) तथा बी. एच. ई. एल. हरिद्वार के डॉ. नरेश मोहन (राजभाषा समन्वयकर्ता अधिकारी) का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ जिसके लिये हम उनका हार्दिक आभार प्रकट करते हैं। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका हर वर्ग के पाठकों के लिए उपयोगी तथा ज्ञानवर्द्धक साबित होगी। मैं इस पत्रिका की अपार सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं तथा संपादक मंडल को हार्दिक बधाई देता हूँ।

राजदेव सिंह
(राजदेव सिंह)

स्वच्छ सुरक्षित जल – सुन्दर खुशहाल कल CONSERVE WATER - SAVE LIFE